



Sri Arvind Mahila College, Patna
Accredited by NAAC with B⁺ Grade
(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)



Speech Competition National girl child day

Date	No. of students enrolled	Organizing Department
24-01-2020	71	Dept. of Hindi & Home Science

हर कदम पर सहयोग देना होगा
अरविंद महिला कॉलेज में छात्राओं ने रखे विचार

राष्ट्रीय
सिटी रिपोर्ट

सिटी रिपोर्टर, पटना

अरविंद महिला कॉलेज के गृहविज्ञान विभाग और हिंदी विभाग की ओर से 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' पर एक सेमिनार का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम का विषय बालिका सुरक्षा, शिक्षा, सम्मान, अधिकार, सम्मानता, स्वास्थ्य था। सभी पहलुओं पर 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपने-अपने विचार रखे। की शुरुआत में गृहविभाग की शिक्षिका क्षेत्र में जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश में लड़कियों को हर मामले में सहयोग देना होगा। वहीं कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मीरा कुमारी ने कहा कि आज लड़कियां हर क्षेत्र में एक समान भागीदारी निभा रही हैं। इसके बाद भी बेटियों को समाज में हेय दृष्टि से देखा जाता है। इस अवसर पर हिंदी विभाग की डॉ. बी.मौर्या ने बालिकाओं के अधिकार और कर्तव्य को समझने की बात कही। शिक्षिका डॉ. सरिता कुमारी ने कहा कि एक सर्वे इमैजिनेशन पांच दिवस 'परवाज' 'साउंड 3 बुढ़िया का में हुआ। संस्था ने बाद पुंज 'जामुकापे किल और से

व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला. प्राचार्य प्रो चंद्रमा सिंह ने नेताजी का भारत
 में उनके योगदान के बारे में बताया. प्रतियोगिता में अनुषा वि
 एस कॉलेज प्रथम, कोमन भारती पटना वीमेंस कॉलेज द्वितीय तथा वि
 विजय महाविद्यालय तृतीय स्थान पर रहे.

से कंधा मिला कर चल रही लड़कियां

श्री अरविंद महिला कॉलेज में गृह विज्ञान विभाग और हिंदी विभाग
 त्वावधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया. इस उपलक्ष्य में संभा
 ता का आयोजन किया गया. इसका विषय बालिका सुरक्षा, शिक्षा, सम्पा
 न, समानता और स्वास्थ्य था. गृह विज्ञान विभाग की डॉ विम्पी सिंह
 इस दिवस का उद्देश्य छात्राओं को हर क्षेत्र में जागरूक करना बता
 ताया कि आज के दिन ही भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गा
 ंधी पद के लिए शपथ ग्रहण किया था. यही वजह है कि इस दिन
 के का प्रतीक मानकर राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है. कॉलेज
 प्रो मीरा कुमारी ने कहा कि आज लड़कियां हर क्षेत्र में बेहतर कर रही हैं अ
 से कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं. बेटियां ही समाज की सृष्टि र
 णाला है. फिर भी बेटियों को समाज हेतु दृष्टि से क्यों देखता है.

ओं ने जाना एनएसएस का महत्व

कॉलेज ट्रेनिंग
 में सुक्रियार
 एनएसएस
 का महत्व का

